ज़ुल्म के खिलाफ़ आवाज़

Postal Regd. No.:MNW/308/2016-

वर्ष : ०५ | अंक : ०५ | मुंबई, शुक्रवार ४ जनवरी से १० जनवरी २०१९ | RNI No. : MAHHIN/2014/59999 | पृष्ठ : ४ | मूल्य : २/- रुपये

पत्रकारों की सुरक्षा में 'PRESS PROTECTION ACT' होगा लागू

विधि मंत्री पी.सी. शर्मा ने किया ऐलान

शाईस्ता शेख

भोपाल : मध्य प्रदेश में मंत्रियों को विभागों के बटवारे के साथ सरकार हरकत में आ गई है, राज्य के नवनियुक्त विधि और विधायी कार्यमंत्री पी सी शर्मा ने कहा है कि पत्रकारों की सुरक्षा के लिए राज्य में 'पत्रकार प्रोटेक्शन अधिनियम' लागू किया जाएगा.शर्मा ने शनिवार को संवाददाताओं से कहा, 'पत्रकारों की सुरक्षा के लिए सरकार वचनबद्ध है, लिहाजा पत्रकार प्रोटेक्शन अधिनियम लागू किया जाएगा.' उन्होंने कर्मचारियों और कांग्रेस नेताओं पर दर्ज मामलों के संदर्भ में कहा कि ये सारे मुकदमे वापस लिए जाएंगे. शिवराज सरकार के दौरान जो राजनीतिक मुकदमे दर्ज किए गए है वे सभी वापस लिए जाएंगे.महिलाओं और बालिकाओं पर होने वाले अत्याचार के मामलों के सवाल पर शर्मा ने कहा, 'इन मामलों को फास्ट ट्रैक अदालत के माध्यम से निपटाया जाएगा ताकि इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके.'

फर्जी पत्रकार के खिलाफ होगी एफआईआर

नई दिल्ली: भारत के सूचना प्रसारण मंत्रालय ने जाली पत्रकारों पर सिकंजा कसने को तैयार है । हाल ही में हुई प्रेस ब्रीफिंग में पत्रकारों से बात करते हुए, सूचना प्रसारण राज्य मंत्री कर्नल राजवर्धन सिंह राठौर ने कहा कि देश भर में जितने भी प्रेस आई.डी. लेकर घुम रहे लोगों की तत्काल जांच शुरू होगी । इस मामले में दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति पर फौरन कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया जाएगा ।

आगे श्री राठौर ने कहा कि कुछ दोषी लोगों के कारण अच्छे, सच्चे एवं ईमानदार पत्रकारों की छवि खराब हो रही है, एवं उनके का य करने में बाधा उत्पन्न हो रही है। आगे जानकारी देते हुए श्री राठौर ने कहा कि पूरे देश में कुछ पैसा लेकर जाली प्रेस आई.डी. बांटने एवं जाली पत्रकार नियुक्ति करने तथा प्रेस के नाम पर ब्लैकमेलिंग करने का धंधा चल रहा है। जिसपर अंकुश लगाना अति आवश्यक है । इस संबंध में सभी राज्यों के प्रेस सूचना मंत्रालय को निर्देश जारी कर दिया गया है । आगे उन्होंने बताया कि जो अखबार/पत्रिका भारत सरकार के आर.एन.आई. द्वारा रजिस्टर्ड हो या जो टी.वी./रेडियो सूचना प्रसारण मंत्रालय से रजिस्टर्ड हो उसी के द्वारा पत्रकार/संवाददाता की नियुक्ति हो सकती है व केवल उसका सम्पादक ही प्रेस कार्ड जारी कर सकता है। जब न्यूज पोर्टल के बारे में पत्रकारों ने पूछा तो श्री राठौर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इन्टरनेट पर चल रहे न्यूज पोर्टल के रजिस्ट्रेशन का प्रावधान सूचना प्रसारण मंत्रालय में नहीं है एवं कोई भी न्यूज पोर्टल एवं केबल (डिश) टीवी पर चल रहे समाचार चैनल किसी भी तरह के पत्रकार की नियुक्ति नहीं कर सकता है और न ही प्रेस आई.डी. जारी कर सकता है यदि कोई व्यक्ति ऐसा करता है तो वह अवैध है एवं उसके विरुद्ध कार्रवाई होनी सुनिश्चित है। श्री राठौर ने आगे बताया की इन्टरनेट पर न्यूज पोर्टल चलाने पर रोक नहीं है लेकिन इनको सरकारी सहयोग प्राप्त नहीं होगा। वही इस मसले पर जानकारों का मानना है की सोशल मीडिया के बढ़ते क्रेज और गुजरात चुनाव में सोशल मीडिया की अहम भूमिका के चलते भाजपा की सीटें कम होने से अब सरकार मीडिया की आजादी पर शिकंजा कसने की तैयारी कर रही है..

मुंबई में जब्त की गई फेंटानाइल नामक प्रतिबंधित ड्रग्स

१ हजार करोड़ बताई जा रही है कीमत

आसिफ खान

मुंबई : मुंबई पुलिस ने भारी मात्रा में प्रतिबंधित फेंटानाइल ड्रग पकड़ने का दावा किया है। पकड़ी गई इस ड्रग की कीमत १ हजार करोड़ रुपये बताई जा रही है। टीम ने चार लोगों को गिरफ्तार भी किया है। मीडिया सूत्रों के मुताबिक गिरफ्तार किए आरोपियों के पास से ड्रग्स से भरे चार ड्रम जब्त किए गए हैं।यह ड्रग नारकोटिक ड्रग्स और साइकोट्रोपिक पदार्थ एक्ट के तहत प्रतिबंधित है। एंटी नार्कोटिक्स सेल के डीसीपी शिवदीप ने बताया 'हमने एक मुखबिर की सूचना पर फेंटानाइल नामक ड्रग्स को सीज किया है. इसकी मात्रा १०० किग्रा है।' उनके मुताबिक पकड़ी गई इस ड्रग्स की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में १ हजार करोड़ रुपये है। उन्होंने बताया पकड़ी गई ड्रग्स को विदेश में तस्करी करने की योजना थी,उनके अनुसार इस ड्रग्स को खासकर मेक्सिको भेजे जाने की योजना थी। बताया जाता है कि फेंटानाइल ड्रग का इस्तेमाल एनेस्थीसिया के तौर पर दर्द से राहत दिलाने के लिए किया जाता है साथ ही इसका उपयोग नशे के लिए भी लोग करते हैं। बताते हैं पकड़े गए सलीम डोला को पहले भी दिल्ली में एनसीबी ने ड्रग्स सप्लाई के केस में गिरफ्तार किया था। चारों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया है।

मुंबई पुलिस की नशे के खिलाफ एक और बड़ी सफलता

एम.आर.शेख

मुंबई : नए वर्ष के मौके पर मुंबई शहर के नौजवानो में नशीलेपद्धार्त का सेवन करने का ट्रेंड बढ़ता जा रहा है। दुनियाभर में मनाया जाने वाला नव वर्ष का पर्व जहां एक जगहखुशी की लहर लाता है वहीं कुछ अवैध गतिविधियों कोअंजाम देने वाले अपराधी युवा पीढ़ियों में नशे की लथ मेंफ़साने का जाल बिछाते हैं। मुंबई ही नहीं सारे भारत देशमें आज की युवा पीढ़ी इसी लथ में फंस कर अपनी ज़िंदगियाँ बर्बाद कर रही हैं। वहीं मुंबई पुलिस ने युवापीढ़ी को इस दलदल से बचाने और अपराधियों को उनके काले करतूतों की सज़ा दिलवाने के लिए हमेशासर्तकता बरती है। इसी सिलसिले में मुंबई पुलिस के जाने माने पुलिस अफसर दया नायक ने फिर अपने शौर्य और कार्यशीलता का उदहारण दिया है।

२०१९ के नए वर्ष में मनाई जाने वाली पार्टियों में नशीले पदार्थों का एक बड़ा भार आने की गुप्त सूचना दया नायक को मिली जिसकी सुचना उन्होंने अपने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को दी। मुंबई पुलिस के संयुक्त आयुक्त देवेन भारती, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मनोज कुमार शर्मा पश्चिम विभाग, पुलिस उपायुक्त जोन९,परमजीत सिंह दहिया, सहायक पुलिस आयुक्त राजेंद्रचौहान अंबोली पुलिस विभाग के नेतृत्व में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक भरत गायकवाड़, पुलिस निरीक्षक दया नायक,सहायक पुलिस निरीक्षक सावंत, साटम, बोम्टे, चव्हाण,पवार, सकवि, पाटिल, पडकर ने जाल बिछाकर तुरंत दो आरोपियों को नशीले पद्धार्त के साथ पकड़ने में सफल रहे। २० किलो ३४८ ग्राम एफेड्रिन नामकनशीले पधार्त का बड़ा भार जिसकी कीमत मूल्य३,०४,२०,७४० रूपये थी और साथ में नकद राशि१,५७,४०३ रूपये आरोपियों के पास से बरामद कीगयी। इन नशीले पधारतों को ३१ दिसंबर की पार्टी केलिए हैदराबाद से मुंबई लाया गया था जिसे दया नायकऔर उनकी टीम ने अग्रवाल एस्टेट, जोगेश्वरी पश्चिममुंबई से पकड़ा। गिरफ्तार आरोपी इस्माइल गुलाम हुसैनऔर दयानन्द माणिक मुददानर को नशीले पधारतों केसाथ गिरफ्तार कर अम्बोली पुलिस स्टेशन में एझ्ंथ्रं न.२२०/२०१८ धारा ८(सी),आर/डब्लू कलम २२,२९ NDPS एक्ट के तहत हिरासत में लिया गया। इन आरोपियों के बारे में जब हैदराबाद पुलिस सेजानकारी ली गयी तोह पता चला की पिछले रिकॉर्ड में२०१३ में इन्हे २०० किलो एफेड्रिन नशीले पद्धार्त केसाथ हैदराबाद ज्यँ ने गिरफ्तार किया था और २०१५में इन्हे ज़मानत मिल गयी थी।

२०१९ के लिए BJP ने बदली रणनीति

वाराणसी नहीं इस सीट से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे पीएम मोदी!

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी २०१९ के लोकसभा चुनाव में वाराणसी के बजाय किसी और सीट से चुनाव लड़ सकते हैं. २०१९ के लोकसभा चुनाव में पीएम मोदी ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी और गुजरात के वड़ोदरा से चुनाव लड़ा था. मोदी ने दोनों सीट से चुनाव में जीत दर्ज की थी. हालांकि बाद में उन्होंने वड़ोदरा सीट को छोड़ दिया था. लोकसभा चुनाव के नजदीक आने के साथ ही कयास लगाए जा रहे हैं कि मोदी इस बार वाराणसी सीट से चुनाव नहीं लड़ेंगे. बीजेपी के वरिष्ठ नेता और विधायक प्रदीप पुरोहित ने बुधवार को दावा किया कि पीएम मोदी आगामी लोकसभा चुनाव में ओडिशा की पुरी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ सकते हैं.बहरहाल, प्रधानमंत्री ने मंगलवार को एएनआई को दिए इंटरव्यू में इस मुद्दे पर कहा था कि यह मीडिया की देन है, बावजूद इसके पुरोहित ने दावा किया है. बीजेपी नेता ने पत्रकारों से कहा कि कोई भी प्रधानमंत्री के पुरी से चुनाव लड़ने से इनकार नहीं कर सकता है. प्रधानमंत्री की पुरी सीट से चुनाव लड़ने की ९० प्रतिशत संभावना है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ओडिशा के लोगों से प्रेम करते हैं और उनका पुरी से लगाव है. लिहाजा अगले चुनाव में वह इस सीट से लड़ सकते हैं. पुरोहित ने कहा कि प्रधानमंत्री ने २०१४ का लोकसभा चुनाव वाराणसी से लड़ा था. भगवान जगन्नाथ के आशीर्वाद से वह इस बार पुरी का चयन चुनाव लड़ने के लिए कर सकते हैं. इस पर पार्टी का संसदीय बोर्ड अंतिम फैसला करेगा.ओडिशा बीजेपी के उपाध्यक्ष समीर मोहंती ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री ओडिशा से चुनाव लड़ेंगे तो यह हमारे लिए खुशी की बात होगी. प्रदेश बीजेपी ने केंद्रीय नेतृत्व को प्रस्ताव दिया था. बीजेपी के पुरी जिलाध्यक्ष प्रभारंजन मोहपात्रा ने कहा कि मेरे ख्याल से मोदी पुरी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ सकते हैं. यह इसलिए है कि क्योंकि केंद्रीय बीजेपी नेतृत्व नियमित आधार पर इलाके की स्थिति की समीक्षा करता रहता है.

जेल में फर्श पर ठीक से सो नहीं पा रहे सज्जन कुमार, सही से खाना भी नहीं खा रहे

शहर की एक अदालत के सामने सोमवार को आत्मसमर्पण करने के बाद मंडोला जेल भेजे गये पूर्व कांग्रेसी नेता सज्जन कुमार सही ढंग से खाना नहीं खा रहे हैं और वह ''बेचैन'' नजर आ रहे हैं। कुमार ने दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा तय समयसीमा के अंतिम दिन सोमवार को अदालत के सामने आत्मसमर्पण किया था और उन्हें १९८४ के सिख विरोधी दंगों के मामले में उम्रकैद की सजा काटने के लिए जेल भेजा गया था। सूत्रों ने मंगलवार को दावा किया कि जेल परिसर की जेल संख्या १४ के वार्ड संख्या एक में बंद कुमार ज्यादा बात नहीं कर रहे हैं और जब से जेल में आए हैं, ज्यादातर चुप हैं।एक सूत्र ने कहा, ''वह सोमवार रात फर्श पर सोए लेकिन उन्हें रात को अच्छे से नींद नहीं आई।

स्टांप पेपर घोटाला: मौत के एक साल बाद कोर्ट से बरी हुआ अब्दुल करीम तेलगी

इस्माईल खान

मुंबई: नासिक की एक अदालत ने करोड़ों रुपये के स्टांप पेपर घोटाले में दोषी करार दिए गए अब्दुल करीम तेलगी के मौत के एक साल बाद बरी कर दिया गया है. महाराष्ट्र के इस बहुचर्चित घोटाले में कोर्ट ने अन्य आठ लोगों को भी बरी किया गया है. इन सभी आरोपियों को अदालत ने सबूतों के अभाव में बरी किया है. वहीं, मौत के बाद तेलगी के खिलाफ घोटाले के आरोप को हटा लिया गया है. फर्जी स्टांप पेपर घोटाले में कोर्ट ने तेलगी को तीस वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई थी और वह बेंगलुरु के पाराप्पाना अग्रहारा सेंट्रल जेल में सजा काट रहा था. तेलगी पर २०२ करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया गया था.सोमवार को इस मामले की सुनवाई कर रहे जिला जज पी आर देशमुख ने इस फैसला को सुनाया. बता दें कि मामले की सुनवाई के दौरान ही करोड़ों रुपये के फर्जी स्टांप पेपर घोटाले के आरोपी तेलगी का अक्टूबर२०१७ में बेंगलुरु के एक सरकारी अस्पताल में निधन हो गया था. उसके बारे में ऐसा मालूम पड़ा था कि उसे एड्स समेत कई बीमारियों से वह पीड़ित था. जिसके चलते उसके शरीर के सभी अंगों ने काम करना बंद कर दिया था.

क्या है स्टांप पेपर घोटाला मामला

बता दें कि हजार करोड़ रुपए के स्टांप पेपर घोटाले की शुरुआत ९० के दशक के शुरुआती साल में हुई थी. तेलगी पर आरोप था कि वह नकली स्टांप पेपर छापकर बेचता था. कहा जाता है कि तेलगी ने स्टांप पेपर की ब्रिक्री के लिए सैकड़ों लोगों को नियुक्त किया था और उनकी मासिक आय कई करोड़ रुपये थी.

भीमा-कोरेगांव हिंसा के पूरे होने वाले हैं एक साल

पहली वर्षगांठ पर सुरक्षा को लेकर महाराष्ट्र पुलिस सतर्क

पुणे: पुणे के पास स्थित भीमा-कोरेगांव में भड़की जातीय हिंसा मामले के अब एक साल पूरे होने वाले हैं. बता दें कि एक जनवरी २०१८ को नए साल के दिन यह हिंसा भड़की थी. अब जब नया साल दस्तक देने को तैयार है तो इस साल भी नए साल के जश्न में कोई भंग न पड़े इसके लिए पुलिस भी सतर्क हो गई है. भीमा-कोरेगांव हिंसा की पहली वर्षगांठ पर किसी तरह की कोई अनहोनी न हो, इसके लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं. ऐसे में पुणे पुलिस यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह अलर्ट है कि इस बार हिंसा की कोई घटना नहीं हो.

महाराष्ट्र के लिए वर्ष की शुरूआत हिंसा से हुई थी और अगले कुछ महीने तक यह मामला कुछ ना कुछ कारणों से लगातार चर्चा में बना रहा. भीमा-कोरेगांव

संपादकीय...

प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले

भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले का जन्मदिन आज भारत की प्रथम महिला शिक्षिका का गौरव प्राप्त सावित्रीबाई फुले जी को कौन नहीं जानता । आज से लगभग १६५ साल पहले १८५२ में उन्होंने अछूत बालिकाओं के लिए एक विद्यालय की स्थापना की और अपने पति ज्योतिराव जी के साथ मिलकर विभिन्न जातियों की ९ छात्राओं के साथ एक विद्यालय बनाया और एक साल के अंदर ही पांच अलग-अलग स्थानों पर विद्यालयों की भी शुरुआत की । जरा सोच कर देखें कि रूढ़िवादी इस देश में जहां पर कन्या शिक्षा प्रतिबंधित थी, उस समय एक विद्यालय की स्थापना कर उसका संचालन करना कितना कठिन मुश्किल एवं चेतावनी पूर्ण कार्य होगा । तत्कालीन समय सावित्रीबाई फुले ने सिर्फ खुद ही शिक्षित हुई बल्कि दूसरों को भी शिक्षित किया ।

२० वर्ष की आयु में भारत का पहला कन्या विद्यालय और किसान स्कूल की स्थापना करने वाली सावित्रीबाई फुले को पति ज्योतिराव जी का संपूर्ण समर्थन एवं संरक्षण प्राप्त था ज्योति राव जी महाराष्ट्र और भारत में सामाजिक सुधार और आंदोलनकता थे । वे महिलाओं और दलित जातियों को शिक्षित करने के प्रयासों के लिए भी जाने जाता है । वे सावित्री बाई के गुरु थे सावित्रीबाई ने अपने जीवन को मिशन की तरह जिया , विधवा विवाह कराना छुआछूत मिटाना तथा महिलाओं को शिक्षित करना ही उनका उद्देश्य था। मराठी भाषा की आदिकवित्री के रूप में जानीमानी सावित्री बाई जी का जन्म ३ जनवरी १८३१ को हुआ था । इनके पिता का नाम खंदोजी नेवसे और माता का नाम लक्ष्मी था । और उनका ज्योतिबा फुले जी से १८४० में विवाह हुआ था । सावित्रीबाई जब कन्याओं को पढ़ाने के लिए स्कूल जाती थी, तो रास्ते पर लोगों के द्वारा अभद्र भाषा का प्रयोग के साथ साथ, गंदगी कीचड़ गोबर आदि फेंका जाता था जिससे उनके कपड़े गंदे हो जाते थे परंतु इसका विकल्प उनके पास था । वह अपने थैले में अतिरिक्त साड़ी लेकर जाती थी और स्कूल पहुंचकर साड़ी बदल लेती थी । उनके अंदर किसी भी कार्य को करने व सफल बनाने की धुन सवार थी । जिसमें वह सफल भी हुई ६६ वर्ष की आयु में मार्च १८९७ में प्लेग रोगियों की सेवा करते हुए उन्हें भी प्ले हो गया और उनकी मृत्यु हो गई । उनकी मेहनत आज हमें हमारे स्कूल में पढ़ाती हुई शिक्षिकाओं को देखकर सफल होती दिखाई देती है । महिला शिक्षा के क्षेत्र मे उनका यह योगदान हम सभी के लिए वरदान साबित हो रहा है। सावित्रीबाई जैसी महान आतम के प्रयासो से ही हमारी शिक्षा वयवस्था सक्षम और सफल हुई है।

बॉलीवुड समाचार

पूनम पांडे ने बाथ टब में दिखाया अपना बोल्ड अवतार

पोस्ट करके पूनम ने लिखा, 'जल्द आ रहा है. हैप्पी

सुमन मौर्या

पूनम पांडे ने नए साल पर अपने फैंस को अपनी हॉटनेस का तोहफा दिया है. सोशल मीडिया पर हमेशा से अपने सेक्सी स्टाइल और हॉट अंदाज के लिए चर्चा में रहनेवाली पूनम ने अपने इंस्टाग्राम पर अपना एक बोल्ड वीडियो शेयर किया है जिसमें वो बाथ टब में अपने सिडक्टिव स्टाइल में नहाती हुई नजर आ रही हैं.इस वीडियो को २०१९.' अक्सर अपनी हॉट फोटोज और बोल्ड वीडियो को पूनम फैंस के साथ शेयर करती आई हैं. सोशल मीडिया पर हमेशा से सक्रिय रहनवाली पूनम ने अपने इसी अंदाज के चलते लाखों फैंस बनाए हैं.पूनम इन्स्टा लाइव सेशन के जरिए भी अपने फैंस से बातचीत करती हैं और उनसे रूबरू होती हैं. आपको बता दें कि पूनम हाल ही में शक्ति कपूर के साथ सॉन्ग 'हैप्पी शुगर बिस्किट' में नजर आईं थी. इस वीडियो में वो शक्ति कपूर के साथ रोमांस करती दिखीं.सोशल मीडिया पर पूनम सबसे बोल्ड सेलिब्रिटीज में से एक बनी हुई हैं. पूनम ने अपना एप भी लॉन्च किया है जहां वो अपने बेहद हॉट वीडियोज शेयर करती रहती हैं. इसके लिए वो अपने सोशल मीडिया के माध्यम से इन दिनों प्रचार कर रही हैं.

बॉलीवुड अभिनेता कादर खान का ८१ साल की उम्र में निधन, कनाडा के अस्पताल में ली अंतिम सांस

अभिनेता कादर खान का ८१ साल की उम्र में निधन हो गया है. कनाडा के अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली. इस खबर को सुनकर पूरी फिल्म इंडस्ट्री सदमे में हैं. खबरों की मानें तो वह प्रोग्रेसिव सुपरान्यूक्लियर पाल्सी नामक बीमारी से पीड़ित थे. उनको वेंटीलेटर पर भी रखा गया था और अब डॉक्टर्स उनकी जान बचाने में असफल रहे हैं. कादर साहब ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया. उन्हें निमोनिया होने के भी आसार दिख रहें थे. जब

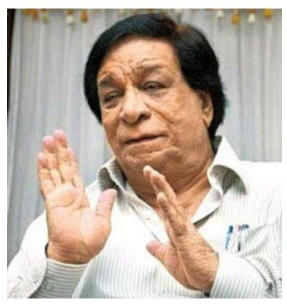

कादर खान की खराब तबीयत की खबर सामने आई थी, तब से ही उनके फैन्स उनके जल्द ठीक होने की कामना कर रहे थे. सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने भी उनकी तबीयत को लेकर एक भावुक ट्वीट किया था. उन्होंने लिखा था कि, 'मैं कादर खान के लिए प्रार्थना कर रहा हूं.' आपको बता दें कि कादर खान ने दीवाना मैं दीवाना, दूल्हे राजा, अखियों से गोली मारे, दरिया दिल, राजा बाबू, कुली नंबर १, छोटे सरकार, आंखें, तेरी पायल मेरे गीत, आंटी नंबर १, हीरो नंबर १, राजाजी, नसीब जैसी कई फिल्मों में अभिनय किया है. दर्शकों को उनका दमदार अभिनय काफी पसंद आता था. उनकी फिल्में ऑडियंस का खूब मनोरंजन करती थी.

इंटरनेट पर वायरल हो रही है अजय देवगन की बेटी नायसा की ये हॉट तस्वीर

अजय देवगन और काजोल अपने दोनों बच्चों के साथ जश्न मनाने के लिए थाइलैंड गए हुए हैं। वहां से अजय और काजोल ने फैमिली के साथ इन्जॉय करते हुए ढेर सारी तस्वीरें शेयर की हैं। यह तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। बता दें अजय देवगन और काजोल के दो बच्चे हैं नायसा और युग देवगन। नये साल के अवसर पर काजोल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से बेटी न्यासा की एक फोटो शेयर की है। तस्वीर में नायसा स्विमसूट पहने नजर आ रही हैं। उनका दिलकश पोज देख कर आप अंदाजा भी नहीं लगा सकते कि वह केवल १५ साल की हैं। काजोल ने तस्वीर पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा है- ३०.१२.१८.... १५ ढेर सारा प्यार। हैं। यही नहीं यूजर्स उनकी इस तस्वीर पर ढेर सारे कमेंट्स की बौछार भी कर रहे हैं। बता दें नायसा अपने पिता अजय देवगन के काफी करीब हैं। एक इंटरव्यू के दौरान अजय देवगन ने बताया था कि नायसा काफी ज्यादा समझदार हैं। वह अपने निर्णय काफी सोच समझ कर लेती है।कुछ समय पहले ही अजय देवगन ने इंस्टाग्राम पर अपनी लाडली बेटी न्यासा की बेहद खूबसूरत तस्वीर डाली थी। उन्होंने कैप्शन में लिखा था- रोशनी खूबसूरत है लेकिन मेरी बेटी के आगे सब फीका है, हैप्पी न्यू ईयर २०१९, सबकी बेटियां खुद के लिए अनमोल होती हैं। काजोल की ये तस्वीरें देख कर अंदाजा लगाया जा सकता है कि उनकी बेटी बड़े परदे पर जल्द उतर सकती है।

बिग बॉस १२ की विनर बनी दीपिका कक्कड़ सलमान खान ने थमाई विनिंग ट्रॉफी

टीवी एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ ने 'बिग बॉस सीजन १२' का खिताब अपने नाम कर लिया है. सलमान खान ने शो के ग्रैंड फिनाले एपिसोड में इसके विनर की घोषणा कर दी है. दीपिका ने 'बिग बॉस १२ विनर' का टाइटल जीतकर अपने फैमिली मेंबर्स ही नहीं बल्कि ओने सभी फैंस का दिल जीत लिया है. जैसे ही सलमान ने विजेता कोई घोषणा की दीपिका का रिएक्शन देखने लायक था. मानों उन्हें सलमान की बात पर यकीन ही नहीं हुआ.

दीपिका कक्कड़ के विनर की घोषणा के साथ ही आज ये शो भी अपने अंत तक पहुंच गया. पूरे ३ महीने तक चलने वाले इस शो में दर्शकों ने ड्रामा, फाइट, विवाद और इमोशन इन सभी तरह के एलेमेंट्स को देखा.बात करें दीपिका तो पहले दिन ही उन्होंने इस शो पर अपनी पकड़ मजबूत करना शुरू कर दिया. यहां भले ही सभी कंटेस्टेंट्स के साथ उनकी नहीं बनी लेकिन समय-समय पर उनपर आरोप लगते आए कि वो श्रीसंत की तरफदारी करती हैं. दीपिका ने शो पर अपनी परफॉर्मेंस से सभी का दिल जीतते हुए इसके फिनाले तक अपनी जगह कायम रखी. शो पर दीपिका को एक स्ट्रॉन्ग कंटेस्टेंट के रूप में देखा गया. अब उनकी जीत से उनके चाहनेवाले और फैंस बेहद खुश हैं.

इस साल क्रिकेट की दुनिया में इन खिलाड़ियों ने बटोरी सुर्खियां

नई दिल्ली : नए साल के आगमन में बस दो दिन का समय बाकी रह गया है. वर्ष २०१८ जाते-जाते क्रिकेट के कई ऐसे लम्हे छोड़कर जा रहा है जिसकी वजह से आने वाले सालों में इसे निरंतर याद रखा जाएगा. इस साल सबसे ज्यादा जो सुर्खियों में रहे वो हैं भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली और ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ. दरअसल, साल २०१८ में विराट ने कई मैचों में विराट प्रदर्शन कर लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया तो स्टीव पर गेंद से छेड़खानी प्रकरण ने कलंक लगा दिया.बहरहाल, इस साल की शुरुआत में साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड से टेस्ट सीरीज में करारी हार का सामना करने के बाद कप्तान कोहली को विदेश में खराब प्रदर्शन का दाग धोने का मौका मिला. इतना ही नहीं मौजूदा वक्त में अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय टीम काफी हद तक भारी दिखाई दे रही है.

वहीं दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ को साउथ अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन में खेले जा रहे टेस्ट मैच के दौरान बॉल टैम्परिंग यानी कि गेंद से छेड़खानी करने का आरोप लगा. जिसकी वजह से उनके ऊपर बैन लगा दिया गया. इसके अलावा आपकी जानकारी के लिए बता दें कि डेविड वॉर्नर पर भी एक साल का और कैमरन बैनक्रॉफ्ट पर नौ महीने का प्रतिबंध लगाया गया. मसलन अगर आप क्रिकेट में जरा भी दिलचस्पी रखते होंगे तो आपको अब तक इस चीज़ का अंदाजा हो चुका होगा कि एक तरीके से ऑस्ट्रेलिया की टीम को 'हर हालत में जीतने' की ज्यादा पड़ी रहती है फिर उसे चाहे कोई आपत्तिजनकर रास्ता ही क्यों न अपनाना पड़े. वहीं अगर इस पूरे मामले को भारतीय क्रिकेट के परिपेक्ष्य में देखा जाए तो इससे भारत को ऑस्ट्रेलिया में ७० बरस में पहली बार सीरीज जीतने का भी मौका मिला है.

विराट ने जड़े ११ शतक: भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली ने ११ अंतरराष्ट्रीय शतक जड़े. जिनमें छह वनडे के और पांच टेस्ट के थे. गौरतलब है कि उन्होंने टेस्ट में १३२२ और वनडे में १२०२ रन इस कैलेंडर वर्ष में जोड़े. सेंचुरियन की कठोर पिच हो या बर्मिंगम की सीम लेती पिच या फिर पर्थ की उछालभरी पिच, कोहली के लाजवाब स्ट्रोक्स क्रिकेटप्रेमियों का मन मोहते रहे. इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज में ५९३ रन बनाकर उन्होंने साबित कर दिया कि इस समय बल्लेबाजी में उनका कोई सानी नहीं.

सचिन तेंदुलकर और विनोद कांबली के कोच रमाकांत अचरेकर का निधन, ८७ की उम्र में ली अंतिम सांस

मुंबई: मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर के बचपन के गुरु रमाकांत आचेरकर का बुधवार को निधन हो गया. उन्होंने आज शाम को आखिरी सांस ली. ८७ साल के रमाकांत आचेरकर लंबे समय से बीमार चल रहे थे. आचेरकर सचिन तेंदुलकर के अलावा विनोद कांबली और प्रवीण आमरे के भी गुरु थे. मुंबई स्थित शिवाजी पार्क मैदान पर उन्होंने सैकड़ों युवाओं को क्रिकेट का ककहरा सिखाया था.

क्रिकेट में योगदान के लिए पद्मश्री और द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया था. रमाकांत आचरेकर की सीख की बदौलत ही सचिन तेंडुलकर ने क्रिकेट जगत में इतना नाम कमाया. इसके साथ विनोद कांबली, समीर दीघे, प्रवीण आमरे, चंद्रकांत पंडित और बलविंदर सिंह संधू जैसे क्रिकेटरों का भी खेल निखारा.कई मौके पर सचिन तेंदुलकर ने खुद स्वीकारा था कि रमाकांत अचरेकर की ही कोचिंग के कारण ही वे क्रिकेट में इतना बड़ा मुकाम हासिल कर पाए है. क्रिकेट के 'भगवान' कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर अक्सर अपने गुरु से मिलने के लिए जाया करते थे.तेंदुलकर ने पिछले साल एक कार्यक्रम में अपने कैरियर में आचरेकर के योगदान के बारे में कहा था,'' सर मुझे कभी 'बेल प्लेड' नहीं कहते थे लेकिन मुझे पता चल जाता था जब मैं मैदान पर अच्छा खेलता था तो सर मुझे भेलपुरी या पानीपुरी खिलाते थे.''

चुनाव पर ही रहेगा पीएम मोदी का पूरा फोकस, नहीं करेंगे एक भी विदेश दौरा

मुंबई : साल २०१९ के आम चुनाव के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने आने वाले कार्यक्रमों को निर्धारित कर चुकें हैं, जिससे चुनाव प्रचार

पर कुछ असर न पड़े. इसके लिए पीएम मोदी किसी भी विदेश यात्रा पर नहीं जाएंगे. सरकारी सूत्रों की मानें तो पीएम मोदी साल २०१९ में अपना पूरा ध्यान सिर्फ लोकसभा चुनावों पर ही रखना चाहते हैं. पीएम मोदी बीजेपी का चेहरा और स्टार प्रचारक हैं. चुनाव प्रचार में पीएम मोदी का शामिल होने से बीजेपी को सीधे तौर पर फायदा होगा. अगले चार महीनों तक प्रधानमंत्री किसी भी विदेश दौरे पर नहीं जाएंगे और वह देश के स्थानीय मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेंगे. एम मोदी का फैसला इस लिए भी अहम है क्यों कि विधानसभा चुनाव में पार्टी को बड़ी हार का सामना करना पड़ा है. ऐसे में पीएम मोदी की जिम्मेदारी चुनाव प्रचार में और बढ़ गई है. बता दें कि पिछले साल प्रधानमंत्री ने १४ विदेश यात्राएं की थी मगर आगामी साल के पहले चार महीनों में प्रधानमंत्री का विदेशी भूमि पर कोई भी द्विपक्षीय कार्यक्रम नहीं है.

मिशन २०१९: राहुल गांधी को रोकने के लिए मोदी नहीं केसीआर बुन रहे हैं जाल, कांग्रेस को हो सकता है बड़ा नुकसान गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी अगले साल २१ से २३ जनवरी तक वाराणसी में चलने वाले प्रवासी भारतीय दिवस के कार्यक्रम में भी हिस्सा लेंगे. प्रधानमंत्री मोदी हाल ही में अक्टूबर में आसियान समिट में शामिल होने सिंगापुर गए थे. इसके अलावा नवंबर में उन्होंने उन्होंने मालदीव के नए राष्ट्रपति इब्राहिम सोलह के शपथ ग्रहण में शामिल होने के लिए मालदीव की यात्रा की थी.

पीछा करने वाले पड़ोसी युवक का महिला ने काटा प्राइवेट पार्ट, हुई मौत

ठाणे : ठाणे में एक महिला ने दो अन्य लोगों के साथ मिलकर एक युवक का प्राइवेट पार्ट काट दिया. घटना के बाद पीड़ित युवक को अस्पताल (प्देर्जेंट) में भर्ती करवाया गया. लेकिन उसके शरीर से ज्यादा खून निकलने के चलते इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया. खबरों के अनुसार मृतक युवक महिला का पड़ोसी है. वह पिछले कुछ दिनों से उसका का पीछा कर रहा था. उसने इस युवक को

सबक सीखने के लिए एक दिन अपने घर बुलकर दो अन्य लोगों की मदद से उसका प्राईवेट पार्ट काट दिया.दरअसल २७ वर्षीय मृतक युवक जो किसी बैंक में लोन सलाहकार के तौर पर काम करता है और वह पड़ोस में रहने वाली ४२ साल की महिला को पसंद करता था. जिसको लेकर वह महिला का आये दिन बाहर आने जाने पर उसका पीछा करता था. महिला ने उसे कई बार समझाने की कोशिश किया कि वह ऐसा न करे. लेकिन वह अपनी आदत से बाज नहीं आ रहा था. हद तब हो गई जब उसने इस बात को महिला के पति को बताया कि वह उसकी पत्नी को पसंद करता है. इस बात को सुनकर महिला का पति और पत्नी के बीच मनमुटाव शुरू हो गया. जिसके बाद महिला ने युवक को सबक सीखने के लिए एक दिन किसी को लोन दिलाने के बहाने अपने घर बुलाया. जिसके बाद उसका हाथ और पैर बांध कर युवक का प्राईवेट पार्ट काट दिया.घटना के बाद पुलिस ने महिला समेत दो अन्य लोगों को गिरफ्तार किया है. पुलिस के पूछताछ में महिला ने अपना जुर्म कबूलते हुए पुलिस को बताया कि उसकी हरकत को लेकर वह कुछ दिन से परेशान थी. इस बीच इस बात को लेकर उसका उसके पति के साथ मनमुटाव भी शुरू हो गया. हालांकि उसे ऐसा नहीं करने को लेकर कई कार समझाया. लेकिन उसकी बात नहीं मानने पर युवक को सबक सीखने के लिए उसने ऐसा कदम उठाया.

कॉलेज में महिला पर वाइस प्रिंसिपल CCTV से रखता था नजर, अकेले होने पर की ये हरकत

जयपुर: कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ यौन शोषण की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही। ताजा मामला राजस्थान के जयपुर में सामने आया है। यहां मिशनरी द्वारा संचालित एक कॉलेज में ४४ वर्षीय महिला ने वाइस प्रिंसिपल पर यौन शोषण करने का आरोप लगाया है। महिला ने अपनी शिकायत में जॉशी

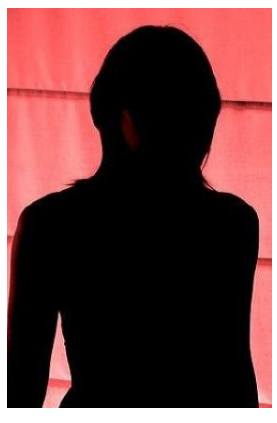

कुरुविल्ला पादरी कुरुविल्ला पर उसे परेशान करने और दबाव डालकर सेक्शुअल फेवर मांगने का आरोप लगाया है।सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि विशाखा गाइडलाइन के तहत इस मामले की जांच के लिए कॉलेज अधिकारियों द्वारा गठित एक आंतरिक कमेटी ने महिला को ही 'अनुशासनहीन' माना। कमेटी ने पिछले साल २२ दिसंबर को पेश की गई अपनी रिपोर्ट में शिकायतकर्ता को 'अनुशासनहीन' पाया और उसके खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की। कमेटी ने महिला की शिकायत के बाद २६ जुलाई २०१८ को जांच शुरू की थी। पीड़िता का कहना है कि आरोपी जॉशी कुरुविल्ला ने २०१३ में बतौर वाइस प्रिंसिपल सेंट जेवियर्स कॉलेज ज्वाइन किया था। शिकायतकर्ता इसी कॉलेज में २०१० से काम कर रही थी। महिला का आरोप है कि वाइस प्रिंसिपल ने उसपर अभद्र टिप्पणी कीं और जब कोई नहीं था तो उसे अपने कमरे में बुलाया।महिला ने अपनी शिकायत में कहा कि कुरुविल्ला ने कॉलेज का कोषाध्यक्ष बनने के बाद उसे और ज्यादा परेशान किया। पुलिस के अनुसार, महिला ने कहा है कि कुरुविल्ला ने उस पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरों को भी बदलने का आदेश दिया।आंतरिक कमेटी द्वारा अनदेखी करने के बाद पीड़िता ने न्याय की लिए अब राजस्थान हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाने का फैसला किया है। मीडिया से बात करते हुए पीड़िता ने उम्मीद जताई है कि हाईकोर्ट से उसे न्याय जरूर मिलेगा।

कोलकाता बंदरगाह पर मिला दूसरे विश्व युद्ध का विटेंज बम, १००० पाउंड है वजन

कोलकाता: दूसरे विश्व युद्ध का एक विंटेज १००० पाउंड का बम कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट (केओपीटी) के नेताजी सुभाष डॉक पर ड्रेजिंग ऑपरेशन के दौरान मिला। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट के एक अधिकारी ने आईएएनस को बताया, विश्व युद्ध-२ का एक विंटेज १००० पाउंड का बम कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट (केओपीटी) के नेताजी सुभाष डॉक पर शुक्रवार को ड्रेजिंग ऑपरेशन के दौरान मिला। यह एक एरियल बम है, जिसका इस्तेमाल संभवत: दूसरे विश्व युद्ध के दौरान किया गया था। बंदरगाह के अधिकारियों ने इस संबंध में पुलिस के समक्ष एक एफआईआर दर्ज कराया। बंदरगाह के अधिकारी ने कहा, 'कोलकाता पुलिस समन्वय कर रही है। भारतीय नौसेना और भारतीय सेना को सूचित कर दिया गया है। डॉक के बर्थ २ पर सीआईएसएफ ने बम की घेराबंदी कर दी है।'नौसेना के पश्चिम बंगाल के प्रभारी अधिकारी कोमोडोर सुप्रोभो के. डे ने बताया, 'यह कई सालों तक पानी में रहा है। यह कहना मुश्किल है कि यहां कैसे आया। हो सकता है कि इसे जहाज में ले जाया जा रहा हो और जहाज से किनारे लाने के दौरान नदी में गिर गया हो। हम नहीं जानते कि असली कारण क्या है।'उन्होंने आईएएनएस को बताया, 'हमारी जांच से प्रतीत होता है कि यह एक एरियल बम है और अमेरिका में बना है, क्योंकि इस पर अमेरिकी मार्कि ग है। हम विशेषज्ञ से जांच कराने में केओपीटी को सहयोग कर रहे हैं।'अधिकारी ने बताया कि इंडियन ऑर्डिनेंस फैक्ट्री बोर्ड से भी जांच के लिए संपर्क किया जा सकता है। इसे सुरक्षित पाए जाने पर संग्रहालय में रखा जा सकता है।

शेल्टर होम में लड़कियों को किया जा रहा प्रताड़ित

प्राइवेट पार्ट में डाला मिर्च पाउडर

नई दिल्ली: दिल्ली महिला आयोग (DCW) ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली में एक शेल्टर होम की लड़कियों के साथ उसके कर्मचारियों द्वारा कथित रूप से दुर्व्यवहार किया गया, जिसके बाद पुलिस ने एक शिकायत दर्ज की। महिला आयोग ने कहा, 'गुरुवार को दिल्ली में आश्रय गृहों के निरीक्षण के दौरान, आयोग के सदस्यों ने ६-१५ वर्ष की उम्र की लड़कियों के साथ बातचीत की। इस दौरान उनके साथ होने वाले दुर्व्यवहार के बारे में पता चल सका।

दिल्ली महिला आयोग की प्रमुख स्वाति मालीवाल ने कहा, 'दिल्ली के द्वारका में एक शेल्टर होम में लड़कियों को प्रताड़ित किया जाता था, उनकी पिटाई की जाती थी और उन लड़कियों में से दो जिनकी उम्र सिर्फ ६-७ साल है उनके निजी अंगों में मिर्च पाउडर डाला गया। FIR दर्ज की गई है। यहां किशोर लड़कियों से भी बर्तन, कपड़े, कमरे और शौचालय साफ करने के लिए मजबूर किया जाता था। २२ लड़कियों और कर्मचारियों के लिए घर में केवल एक रसोइया था, और भोजन की गुणवत्ता अच्छी नहीं थी। बयान में कहा गया, 'किशोर लड़कियों ने शिकायत की कि उन्हें अपने कमरे साफ नहीं रखने और कर्मचारियों की बात नहीं मानने के लिए पीटा गया। उन्हें गर्मियों और सर्दियों की छुट्टियों के दौरान घर जाने की अनुमति नहीं थी।'समिति के सदस्यों ने अ्गें प्रमुख स्वाति मालीवाल के साथ आरोपों को साझा किया, जो तुरंत रात ८ बजे घर पहुंचीं। मालीवाल ने तुरंत द्वारका के पुलिस कमिश्नर को फोन किया, जिन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम को घर भेजा और बच्चों के बयान दर्ज किए। दिल्ली पुलिस द्वारा कर्मचारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई।

अस्पताल में काम करने वाली नाबालिग लड़की से डॉक्टर ने किया बलात्कार

कल्याण: अस्पताल में काम करने वाली एक नाबालिग लड़की से डॉक्टर ने ही बलात्कार किया। महाराष्ट्र के कल्याण की यह घटना है। डॉक्टर ने अस्पताल में ही लड़की से बलात्कार किया और उसे धमकाया भी। मिली हुई जानकारी के अनुसार, इस अस्पताल के पास में ही एक मेडिकल दुकान भी है। डॉक्टर के साथ-साथ इस मेडिकल दुकान के मालिक द्वारा भी लड़की से बलात्कार करने की बात सामने आई है। मेडिकल मालिक ने लड़की के साथ हुए अत्याचार का वीडियो वायरल करने की धमकी देते हुए उसके साथ बलात्कार किया।

इस पूरे मामले से परेशान होकर पीड़िता ने कोलसेवाडी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। जिसके बाद पुलिस ने डॉ. ताज अंसारी और मेडिकल मालिक दिलदार शेख के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। पुलिस ने डॉक्टर को गिरफ्तार भी कर लिया है, तो मेडिकल दुकान मालिक दिलदार शेख फरार हो चुका है।

पुलिस की पूछताछ में और एक बड़ी बात सामने आई है। पुलिस ने जिस डॉक्टर को गिरफ्तार किया है, वह नकली है। उसने झूठी डिग्री दिखाकर अस्पताल शुरू किया था। कल्याण के नेतिवली इलाके में हसन क्लिनिक नाम से एक छोटा अस्पताल है। इसी क्लिनिक के पास दिलदार शेख की मेडिकल दुकान भी है।

ताज अंसारी के इसी अस्पताल में नाबालिग लड़की काम किया करती थी। यह लड़की काफी गरीब थी और उसे काम की काफी जरुरत थी। इसी बात का फायदा उठाते हुए ताज ने लड़की को काम से निकाल देने की धमकी दी और इसके बाद उसने लड़की के साथ अस्पताल में ही रेप किया। इसके बाद भी कई बार ताज अंसारी ने लड़की पर अत्याचार किया। इस बात की खबर जब मेडिकल मालिक दिलदार शेख को लगी तब उसने ताज और पीड़िता का एक वीडियो बनाया और इस वीडियो को वायरल करने के धमकी देते हुए लड़की से बलात्कार किया। पिछले कई दिनों से दोनो लड़की से बलात्कार करते रहे। अंत में इससे परेशान होकर लड़की ने अपने परिवार को इस बारे में सब कुछ बता दिया, जिसके बाद लड़की के परिवार ने सीधे कोलसेवाडी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई। इसी शिकायत के बाद पुलिस ने ताज अंसारी को गिरफ्तार किया। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले में और जांच कर रही है।

नकली सोना देकर ठगी करने वाले छह भारतीय नेपाल में गिरफ्तार

नई दिल्ली: नेपाल के भोजपुर इलाके से छह भारतीय नागरिकों को स्थानीय गांववासियों को उनके स्वर्ण आभूषणों को कथित तौर पर नया करने का लालच देकर उन्हें सोने का पानी चढ़े गहनों से बदल देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। शुक्रवार को मीडिया में आई एक खबर में यह जानकारी दी गई। हिमालयन टाइम्स समाचारपत्र की खबर के मुताबिक सभी आरोपी बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के रहने वाले हैं।जिन्होंने स्थानीय लोगों को लालच देकर उनके गहनों को नये सिरे से गढ़ने और सोने के आभूषणों को चमका देने का वादा कर उसे नकली सोने से बदल दिया।अखबार ने भोजपुर जिला पुलिस कार्यालय के एक अधिकारी के हवाले से कहा कि आरोपियों के पास एक्वा रीजिया था जो हाइड्रोक्लोरिक एसिड और नाइट्रिक एसिड का रासायनिक मिश्रण है जिसका इस्तेमाल असली सोने को पिघलाने के लिए किया गया। पुलिस ने बताया कि जिले से फरार होने की तैयारी कर रहे आरोपियों को पकड़ लिया गया। उन्हें हिरासत में लेकर जांच शुरु कर दी गई है।

खदान में खुदाई करने वाले दो मजदूरों की किस्मत रातोंरात बदली और बन गए करोड़पति

नए साल से पहले मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में दो मजदूरों की किस्मत अचानक से बदल गई और दोनों करोड़पति बन गए. यह दोनों मजदूर हीरे की खदान में काम करते हैं. दो महीने पहले खुदाई का काम करने वाले मोतीलाल और रघुवीर प्रजापति ने जिला प्रशासन से लीज पर खदान लिया था. खुदाई के दौरान इन्हें एक बड़ा हीरा मिला. शुक्रवार को इस हीरे की नीलामी हुई जिसके बदले २.५५ करोड़ रुपये मिले. हीरे की नीलामी के दौरान कई करोड़पति कारोबारियों ने बोली लगाई थी. नीलाम हुआ हीरा ४२.९ कैरट का बताया जा रहा है.

इस हीरे को झांसी के राहुल नाम के एक व्यापारी और बीएसपी नेता ने मिलकर खरीदा है. मोतीलाल ने बताया कि उसने यह खदान २०० रुपये की लीज पर छह महीने के लिए ली थी. खुदाई के दौरान मिले हीरे को हमने हीरा खदान अधिकारी कार्यालय में जमा कराया. जिसके बाद इस हीरे की नीलामी कराई गई और फिर यह हीरा २.५५ करोड़ रुपये में नीलाम हुई. अभी नीलामी के दौरान लगाई गई बोली की २० प्रतिशत धनराशि जमा की गई है और शेष राशि हीरा मिलने के एक महीने के अंदर वे जमा करेंगे. नीलामी के बाद मिली राशि पर मोतीलाल ने कहा कि वे इन पैसों से अपने बच्चों को पढ़ाएंगे और अपने माता-पिता की सेवा करेंगे.

जन्म लेनी वाली बच्ची के हाथ-पैर में थी ६ उंगलियां

मां ने माना अशुभ-१-१ काट दी

शुभ और अशुभ के नाम पर इंसान कभी कभी ऐसी हरकत कर बैठता है जो लोगों को डरा के रख देती है. लेकिन उसके बाद भी आज समाज में ऐसी घटनाएं बदस्तूर जारी है. इस घटना को एक कलयुगी मां ने अंजाम दिया. एक ऐसा ही चौकानें वाली घटना मध्यप्रदेश से सामने आई है. जहां एक महिला ने अपने एक दिन की बच्ची के उंगलियों को काट दिया. जिसके कारण एक दिन की बच्ची की मौत हो गई.

मामला एमपी के खंडवा का है. जहां के सुंदरदेव नाम गांव में एक मां की आंखो पर अंधविश्वास का ऐसा पर्दा चढ़ा की उसने बड़ी ही बेहरमी से अपनी एक दिन बच्ची को मार डाला. खबरों के मुताबिक महिला ने एक दिन पहले बच्ची को जन्म दिया था. इस बच्ची के पैर पर हांथ में एक अंगुली ज्यादा थी. जैसे कि समान्य इंसान को ५ उंगली होती है. लेकिन इस कलयुगी मां को बच्ची की ६ उंगलिया पसंद नहीं आई.

जिसके बाद कलयुगी मां ने बच्ची के उंगलियों को काटने का फैसला किया और उसे काट दिया. जिसके बाद लड़की के शरीर में इन्फेक्शन फैल गया और शाम तक उसकी मौत हो गई. मां के इस अंधविश्वास ने मासूम बच्ची की जान ले ली. वहीं इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया की भले इंसान धरती से मंगल तक पहुंच गया हो लेकिन फिर भारत में अंधविश्वास का प्रचलन जारी है.

एक ही परिवार के ५ सदस्यों ने खाया जहर

रायपुर: छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक ही परिवार के पांच लोगों ने जहर खा लिया है. इन पांच लोगों में तीन की मौत हो गई है. जबकि दो लोगों का इलाज अस्पताल में चल रहा है. जहां पर उनकी भी हालत नाजुक बताई जा रही है. खुदकुशी करने वाले परिवार के बारे में ऐसा कहा जा रहा है कि शनिवार को इनके घर में एक बड़ी चोरी हुई. चोरी के दौरान चोरों ने घर के कीमती जेवरात और नकदी को चुरा ले गए. जिसको लेकर पूरा परिवार सदमें में आकर ऐसा कदम उठाया .

घटना बिलासपुर के रतनपुर के नेवसा गांव की है. जहां पर सत्तू साहू नाम का शख्स अपने परिवार के साथ रहता है. २२ दिसम्बर को उसके परिवार के लोग रायपुर में किसी रिश्तेदार के यहां एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गए थे. अपनी नौकरी की वजह से वह कार्यक्रम में नहीं गया था. कार्यक्रम खत्म होने के बाद उसने परिवार वाले जब घर वापस आये तो देखा कि घर में एक बड़ी चोरी हुई है. चोरों ने घर के कीमती समान के साथ- साथ जेवरात और नकदी चुरा ले गए है. गांव वालों की माने तो चोरी की घटना को लेकर सत्तू साहू का परिवार सदमे में आ गया और खुदकुशी जैसा कदम उठा लिया.

वहीं घटना के कुछ ही समय बाद सत्तू साहू भी यह समझ कर घर पहुंचा कि परिवार वाले घर आ गए होंगे. घर पहुंचने के बाद वह देखा की घर का दरवाजा अन्दर से बंद है. जिसके बाद गांव के लोगों ने घर का दरवाजा किसी तरह से तोडा देखा गया कि घर में उसके बेडरूम में उसकी सास और दोनों बेटियां बिस्तर पर मृत पड़ी थीं. जबकि पत्नी और बेटा तड़प रहे थे. उनके मुंह से झाग निकल रहा था. जिसके बाद सत्तू साहू इसकी सूचना पुलिस को दिया.

घटना स्थल पर पहुंचने के बाद पुलिस की मदद से सभी को बिलासपुर के सिम्स मेडिकल संस्थान में भर्ती कराया गया. जहां पर अस्पताल के डॉक्टरों ने तीन को मौत घोषित कर दिया. वहीं दो का अस्पताल में इलाज चल रहा है. लेकिन दोनों की हालत नाजुक बताई जा रही है. इस घटना को लेकर रतनपुर थाने के प्रभारी इंस्पेक्टर आर.आर. राठिया का कहना है कि उन्होंने फिलहाल खुदकुशी का मामला दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दिया है. लेकिन उन्हें पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है जिसके बाद ही पता चलेगा कि पीड़ितों ने कौन सा जहर खाया है.

पत्नी के साथ झगड़े के बाद डॉक्टर ने की आत्महत्या

नई दिल्ली: दक्षिण दिल्ली के हौजखास में एक छोटे से मुद्दे को लेकर पत्नी के साथ हुए झगड़े के बाद एम्स के ३४ वर्षीय एक डॉक्टर ने अपने अपार्टमेंट के चौथी मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली. पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि मृतक की पहचान राजस्थान के नागौर के निवासी मनीष शर्मा के रूप में हुई है.

पुलिस ने बताया कि मंगलवार को गौतम नगर में हुई इस घटना के बारे में रात के करीब ११.२९ बजे हौजखास थाने को सूचना मिली. एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल पर पहुंची पुलिस को बताया गया कि मृतक को उनके दोस्त और पड़ोसी एम्स ट्रामा सेंटर ले गये, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया.

उत्तर प्रदेश-दिल्ली को दहलाने की नापाक साजिश

इंजीनियर निकला मास्टरमाइंड- गहनों को बेच के जमा किए थे पैसे

उत्तर प्रदेश और राजधानी दिल्ली में राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी ने बुधवार को आतंकी संगठन ISIS के मॉड्यूल के नापाक मंसूबों पर पानी फेरते हुए उनके संगठन का पर्दाफाश किया. इसके साथ अब कई बड़े खुलासे भी होने लगे हैं और पता चल रहा है कि कैसे आतंकी भारत को दहलाने की साजिश रच रहे थे. आतंकी संगठन आईएसआईएस के मॉड्यूल 'हरकत-उल-हर्ब-ए-इस्लाम' के एक सरगना सहित १० लोगों को गिरफ्तार करने का दावा किया.सुरक्षा एजेंसियों द्वारा की गई इस कर्रवाई में उत्तर प्रदेश के अमरोहा से मस्जिद के एक मौलवी और थर्ड ईयर सिविल इंजीनियर को गिरफ्तार किया है. सूत्रों के माने इन्ही दोनों को मास्टरमांइड माना जा रहा है. माना जा रहा है कि बम बनाने से लेकर आर्थिक तौर पर मजबूती की जिम्मेदारी २९ साल इंजीनियर मुफ्ती मोहम्मद सुहैल ने पैसा इकट्ठा करने के घर में रखा गोल्ड भी बेंच दिया था. इस दौरान उसके संपर्क में विदेश में बैठे किसी हैंडलर से संपर्क में थे. इस दौरान सुहैल उर्फ हजरत और उसके साथियों ने फंड जुटा लिया था और बम तैयार करने के लिए हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री की खरीद की है.

आईएसआई भारत में नए साल और २६ जनवरी के आसपास आतंकी वारदात को अंजाम दिलाने की फिराक में लगी है. उन्होंने उत्तर प्रदेश और दिल्ली, आसपास के स्थानों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विस्फोट और फिदायीन हमलों की योजना बनाई थी. बता दें कि एनआईए ने उत्तर प्रदेश और दिल्ली में १७ जगहों पर छापेमारी की जिसके बाद यह गिरफ्तारियां हुई। १७ जगहों में पूर्वी दिल्ली के जाफराबाद इलाके में छह जगह, उत्तर प्रदेश के अमरोहा में छह जगह, लखनऊ और हापुड़ में दो-दो जगह और मेरठ में एक जगह छापेमारी.

दर्दनाक! जब मां का नहीं करवा पाया इलाज तो पूरे परिवार के साथ जहर खाकर दे दी जान

जामनगर: गुजरात में मां के इलाज का खर्च उठाने में नाकाम रहे एक बेटे ने अपने पूरे परिवार के साथ कीटनाशक पीकर कथित रूप से आत्महत्या कर ली.पुलिस ने मंगलवार को बताया कि किराना की दुकान चलाने वाले दीपक सकारिया (४५) अपनी बुजुर्ग मां के इलाज में खर्च के कारण के कारण आर्थिक समस्याओं का सामना कर रहे थे.जामनगर के पुलिस अधीक्षक शरद सिंघल ने कहा, ''सकारिया और उसके परिवार के चार सदस्यों ने सोमवार (३१ दिसंबर) की रात को पानी के साथ कीटनाशक मिलाकर पी लिया. वह अपनी ८० वर्षीय मां के इलाज में होने वाले खर्च के कारण आर्थिक तंगी से जूझ रहा था.''उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान दीपक सकारिया (४५), उसकी पत्नी आरती सकारिया (४२), बेटी कुमकुम (११), बेटे हेमंत (पांच) और दीपक की मां जया पन्नाला (८०) के रूप में हुई है.सकारिया परिवार सूर्यमुखी कालोनी में रहता था. सिंघल ने बताया कि पुलिस को आज सुबह घटना की सूचना मिली.

बेरोजगार पति ने की पत्नी की हत्या

लाश को कई दिन तक घर में रखकर बनाता रहा खाना

राजस्थान : उदयपुर के चित्तौड़गढ़ में दिल दहला देने वाली एक घटना सामने आई है. जहां पत्नी के ताने की वजह से पति ने उसकी हत्या कर दी. दस साल पहले विद्या ने अपने घरवालों के खिलाफ जाकर नरेश से विवाह किया था. शादी के कुछ साल तक उनकी जिंदगी आराम से कटी. जीने के लिए सिर्फ प्यार नही पैसा भी जरुरी होता है. पिछले पांच सालों से नरेश के काम पर न जाने की वजह से दोनों में लगातर झगड़े हो रहे थे. काम न करने की वजह से विद्या अपने पति को ताना मारती रहती थी. जिसकी वजह से दोनों में मारपीट होती थी. नौकरी को लेकर दो दिन पहले नरेश और विद्या के बिच झगड़ा हुआ और नरेश ने गुस्से में पत्नी पर सरिये से वार किया, उसके बाद मफलर से गला घोटकर उसे मार दिया. पत्नी को जान से मारने के बाद नरेश ने उसकी लाश को घर के कोने में बैठा दिया और खाना बनाकर खाता रहा. दो दिन तक जब विद्या किसी को दिखाई नही दी, तो नरेश के पिता जो गांव से दूर रहते थे कुछ लोगों को लेकर उसके घर पहुंचे तो नरेश ने उन्हें पत्थर मारकर भगा दिया. जिसके बाद उन्होंने पुलिस की मदद ली पुलिस जब घर के अंदर गई तो उन्हें विद्या की लाश बैठी हुई मिली.

पुलिस ने नरेश को गिरफ्तार कर लिया है और विद्या की लाश को पोस्टमोर्ट के लिए भेज दिया है. विद्या के मायके वालों से पूछताछ करने के बाद पता चला कि विद्या की सगाई नरेश से हुई थी. लेकिन फिर बाद में विद्या के पिता उसकी शादी नरेश से करने के खिलाफ हो गए. लेकिन विद्या ने परिवार के खिलाफ जाकर नरेश से कोर्ट मैरेज कर ली. शादी के बाद वो कभी भी मायके नही गई. आपको बता दें विद्या के दो बेटे हैं बड़ा बेटा ६ साल का और छोटा बेटा ३ साल का है.

तीन तलाक बिल पर संसद में संग्राम

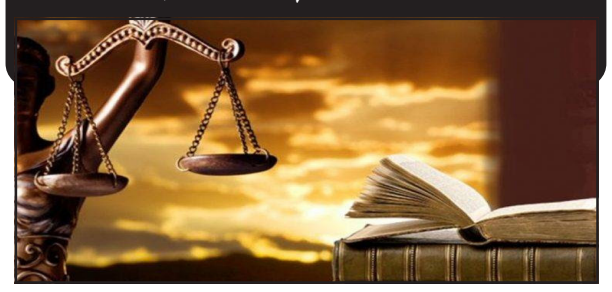

कांग्रेस बोली-धार्मिक मामले में हस्तक्षेप कर रही है मोदी सरकार, मिला करारा जवाब

नई दिल्ली: शीतकालीन सत्र के दसवें दिन लोकसभा में एक बार फिर तीन तलाक पर पाबंदी लगाने वाले मुस्लिम महिला विवाह अधिकार संरक्षण विधेयक २०१८ चर्चा के लिए पेश किया गया. भारी हंगामे के बीच गुरुवार को केंद्रीय कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने सदन में तीन तलाक (तलाक-ए-बिद्दत) बिल को पेश किया. बीजेपी और कांग्रेस ने चर्चा के मद्देनजर अपने-अपने सांसदों को पहले ही मौजूद रहने के लिए व्हिप जारी कर दिया था. लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन ने तीन तलाक बिल पर चर्चा के लिए ४ घंटे का समय दिया है. जबकि विपक्षी दल इसे ज्वाइंट सिलेक्ट कमेटी के पास भेजने की मांग पर अड़े हुए है.

ज्वाइंट सेलेक्ट कमेटी को भेजा जाए बिल: लोकसभा में तीन तलाक बिल पेश होने के बाद गतिरोध बढ़ गया. सरकार पर राफेल डील को लेकर हमला बोलने वाली कांग्रेस और भी आक्रामक हो गई. हंगामें के बीच कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने बिल को ज्वाइंट सिलेक्ट कमेटी के पास भेजने की मांग की. क्योंकि सरकार किसी धार्मिक मामले में हस्तक्षेप कर रही है. खड़गे ने कहा कि इस बिल से करीब ३० करोड़ महिलाएं प्रभावित होंगी और उनकी रक्षा जरूरी है.

खड़गे ने कहा, 'तीन तलाक से जुड़ा बिल महत्वपूर्ण है, इसका गहन अध्ययन करने की जरूरत है. यह संवैधानिक मसला है. मैं अनुरोध करता हूं कि इस बिल को ज्वाइंट सिलेक्ट कमेटी के पास भेजा जाए.' इससे पहले खड़गे ने कहा था कि कांग्रेस तीन तलाक विधेयक का विरोध करेगी. उन्होंने कहा कि हम लोग चर्चा में हिस्सा लेंगे लेकिन पुराने विचार पर अब भी कायम हैं. हम सरकार से अपील करेंगे कि वो धार्मिक मसलों में हस्तक्षेप न करे.

ट्रिपल तलाक का ताल्लुक किसी धर्म से नहीं- वहीं तीन तलाक बिल का बचाव करते हुए केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा हमारी सरकार बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ की बात करती है. मैं नारी सम्मान की बात करता हूं. तीन तलाक बिल का किसी धर्म से कोई लेना-देना नहीं है. बिल पर विपक्ष के साथ चर्चा को तैयार हैं.इस दौरान उन्होंने २० इस्लामिक राष्ट्रों में तीन तलाक पर प्रतिबंध लगाने की बात बताते हुए कहा कि हमारे जैसा धर्म निरपेक्ष ऐसा क्यों नहीं कर सकता? मेरा अनुरोध है कि इसे राजनीति के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए.

क्या है ज्वाइंट सिलेक्ट कमेटी- गौरतलब हो कि ज्वाइंट सिलेक्ट कमेटी में लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों के सदस्य शामिल होते हैं. यदि कोई सदस्य किसी बिल में संशोधन का प्रस्ताव पेश करता है तो उसे ज्वाइंट सिलेक्ट कमेटी के पास भेजा जाता है. इस कमेटी के सदस्यों में कौन शामिल किया जाएगा, इसका फैसला सदन करता है.

लोकसभा में पास, राज्यसभा में अटका- मुस्लिम महिला (विवाह पर अधिकार की सुरक्षा) बिल, २०१८ इससे पहले दिसंबर २०१७ और अगस्त २०१८ में लोकसभा में पारित हो चुका है, लेकिन मोदी सरकार की लाख कोशिशों के बावजूद दोनों बार राज्यसभा में पास नहीं हो सका. इस बार सरकार चाहती है कि ८ जनवरी को संसद के शीतकालीन सत्र खत्म होने से पहले इसे दोनों सदनों से मंजूरी दिला दी जाए.

आर.टी.आई. कार्यकर्ता मंसूर उमर दरवेश ने आर.टी.आई. के माध्यम से किया खुलासा

शाहीन सय्यद

मुंबई, २० महीनो में मुंबई की आम जनता ने महापौर को १०.३३३ शिकायत पत्र के माध्यम से की जिस में से सिर्फ ४३६ पत्र संबंधित विभागों को भेजा गया और ६८७ पत्र का जवाब संबंधित विभाग से शिकायतकर्ता को दिया गया.

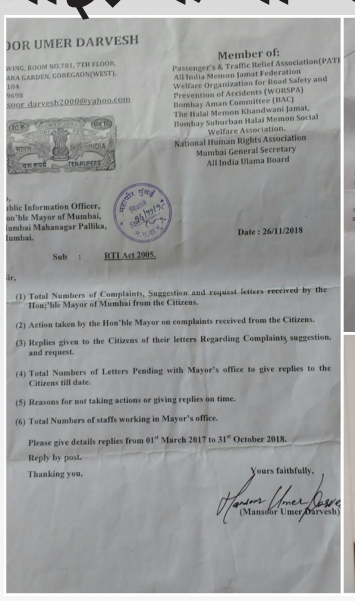

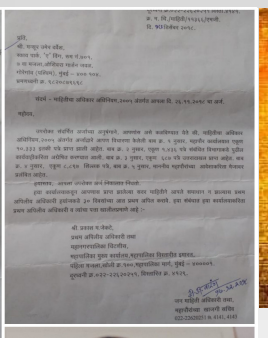

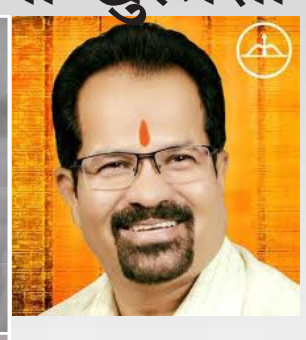

महानगर पालिका किस तरह काम करता है? आम जनता की शिकायत पर कितना ध्यान दिया जाता है? इस का अंदाज़ा इस खबर को पढ़ के लगाया जा सकता है. २० महीनो के दौरान मुंबई की आम जनता की तरफ से महानगर पालिका के महापौर विश्वनाथ महाडेश्वर को पत्र के माध्यम से १०३३३ शिकायते की गई जिसमें से ८८९७ शिकायत पर कोई कार्यवाही नहीं हुई. न हीं इन शिकायत पत्र का कोई जवाब दिया गया. इसका खुलासा आर टी आई कार्यकर्ता मंसूर उमर दरवेश ने आर टी आई के माध्यम से किया. मंसूर उमर दरवेश ने २६ नवंबर २०१८ को मुंबई महानगर पालिका के महापौर विश्वनाथ महाडेश्वर से आर टी आई के माध्यम से कुछ प्रश्न पूछे गए थे जिन का जवाब सबको चौका देने वाला था.

MOOR UMER DARVESH

WING, ROOM NO.701, 7TH FLOOR, ARA GARDEN, GOREGAON(WEST).

soor_darvesh2000@yahoo.com

Member of:
Passenger's & Traffic Relief Association(PATRA)
All India Memon Jamat Federation
Welfare Organization for Road Safety and Prevention of Accidents (WORSPA)
Bombay Aman Committee (BAC)
The Halai Memon Khandwani Jamat,
Bombay Suburban Halai Memon Social Welfare Association.
National Human Rights Association
Mumbai General Secretary
All India Ulama Board

ublic Information Officer,
on'ble Mayor of Mumbai,
umbai Mahanagar Pallika,
umbai.

Date : 26/11/2018

Sub : RTI Act 2005.

ir,

(1) Total Numbers of Complaints, Suggestion and request letters received by the Hon;'ble Mayor of Mumbai from the Citizens.

(2) Action taken by the Hon'ble Mayor on complaints received from the Citizens.

(3) Replies given to the Citizens of their letters Regarding Complaints suggestion, and request.

(4) Total Numbers of Letters Pending with Mayor's office to give replies to the Citizens till date.

(5) Reasons for not taking actions or giving replies on time.

(6) Total Numbers of staffs working in Mayor's office.

Please give details replies from 01st March 2017 to 31st October 2018.

Reply by post.

Thanking you,

Yours faithfully,

(Mansoor Umer Darvesh)

आर.टी.आई.के माध्यम से पूछे गए प्रश्न

१) १ मार्च २०१७ से ३१ अक्टूबर २०१८ तक मुंबई की जनता ने आप को कितने शिकायत पत्र दिए है?

२) मुंबई की जनता ने आप को जो शिकायत की है उन में से कितने पत्र पे आप ने कार्यवाही की?

३) कितने शिकायत पत्र का जवाब दिया गया?

४) कितने शिकायत पत्र का जवाब देना बाकी है?

५) शिकायत पत्र का जवाब नहीं देने की वजह किया है?

६) आप के मेहकमे में कितने लोग काम करते है?

महानगर पालिका दुवारा आर,टी,आई,का जवाब कुछ इस तरह दिया गया है

मंसूर उमर दरवेश (आर.टी.आई. कार्यकर्ता)

१) २० महीनो में मुंबई की आम जनता ने महापौर को १०.३३३ शिकायते पत्र के माधयम से की.

२) ४३६ पत्र संबंधित विभागों को भेजा गया और कार्यवाही की गई.

३) ६८७ शिकायत पत्र का जवाब दिया गया.

४) ८८९७ शिकायत पत्र का जवाब देना बाकी है.

५) महापौर विश्व नाथ महाडेश्वर ने शिकायत पत्र पे हस्ताक्षर नहीं किये ना ही कार्यवाही का कोई आदेश दिया.

६) महापौर विश्व नाथ महाडेश्वर के कार्यालय में १५ कर्मचारी कार्यरत है जिसमें से ३ अफसर है १२ अलग अलग ओहदे पे तैनात है.

आर टी आई का जवाब आने के बाद आर टी आई कार्यकर्ता मंसूर उम्र दरवेश ने हमारे पत्रकारों से बातचीत करते हुवे कहा की मुंबई महापौर विश्व नाथ महाडेश्वर से युवाओं को बहुत उम्मीद थी की हम ने जो शिकायत पत्र महापौर विश्व नाथ महाडेश्वर को लिखा है उस पे ज़रूर कार्यवाही होगी मगर ऐसा नहीं हुवा महापौर विश्व नाथ महाडेश्वर ने युवाओं की सारी उम्मीद नाकाम करदी काफी सारे शिकायत पत्र पे तो हस्ताक्षर ही नहीं किये गए है कार्यवाही कहा से होगी मगर फिर भी दावे बड़े बड़े किये जाते है.

आर टी आई कार्यकर्ता मंसूर उमर दरवेश का शिवसेना प्रमूख उद्धव ठाकरे से यह कहना है जो महापौर आम जनता की शिकायत नहीं सुन सकता उससे महापौर की कुर्सी पर बिठाना गलत है. शिवसेना प्रमूख उद्धव ठाकरे को महापौर विश्वनाथ महाडेश्वर की जगह ऐसे व्यक्ति को बिठाना चाहिए जो जनता की शिकायतों पर तत्काल कार्यवाही करे.

१३३ साल पहले मुंबई में रखी गई थी कांग्रेस की नींव

देश की सबसे पुरानी पार्टी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का शुक्रवार २८ दिसंबर को स्थापना दिवस है. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस भारत की सबसे पुरानी और पहली राजनीतिक पार्टी हैं. कांग्रेस भारतीय स्वंत्रता आंदोलन में अग्रणी थी. इसकी स्थापना २८ दिसम्बर १८८५ को मुंबई के गोकुलदास तेजपाल संस्कृत महाविद्यालय में हुई थी. ६८ व्यक्तियों द्वारा हुई इस पार्टी की स्थापना में, ए ओ ह्यूम (एक सेवानिवृत्त ब्रिटिश अधिकारी), दादा भाई नौरोजी और दिनशा वाचा ने अहम भूमिका निभाई. भारत की आजादी तक, कांग्रेस सबसे बड़ी और प्रमुख भारतीय जन संस्था मानी जाती थी, जिसका स्वंत्रता आंदोलन में केंद्रीय और निर्णायक प्रभाव था.

जिस समय कांग्रेस पार्टी बनी उस दौरान देश में ब्रिटिश हुकूमत थी. शुरुआत में कांग्रेस को कुलीन वर्ग की संस्था माना जाता था. शुरू में जो सदस्य इससे मुख्य रूप से जुड़े, वह बॉम्बे और मद्रास प्रेसीडेंसी से लिए गए थे. बाल गंगाधर तिलक ने सबसे पहले कांग्रेस में स्वराज का लक्ष्य निर्धारित किया था. हालांकि १९०७ में कांग्रेस दो दलों में विभाजित हो गई थी. इन दो दलों को गरम और नरम दल कहा जाता था. गरम दल का नेतृत्व मुख्य रूप से बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय और बिपिन चंद्र पाल करते थे वहीं नरम दल के नेताओं में गोपाल कृष्ण गोखले, फिरोजशाह मेहता और दादा भाई नौरोजी का नाम शामिल था.

देश की सबसे पुरानी पार्टी का इतिहास : कांग्रेस के अधिवेशन के समय इसके अध्यक्ष तब के बैरिस्टर व्योमेश चंद्र बनर्जी थे. पार्टी का दूसरा सेशन ठीक एक साल बाद २७ दिसंबर १८८६ को कोलकाता में दादाभाई नैरोजी की अध्यक्षता में हुआ था. आजादी के बाद कांग्रेस के पहले अध्यक्ष आचार्य कृपलानी बने थे. आजाद भारत के पहले आम चुनाव में कांग्रेस ने जवाहर लाल नेहरू के दम पर चुनाव लड़ा और जबरदस्त जीत हासिल की थी.

वर्तमान अध्यक्ष राहुल गांधी इसके ६०वें अध्यक्ष हैं. आजादी के बाद वह कांग्रेस पार्टी के १९वें अध्यक्ष हैं. उनसे पहले ५९ लोग कांग्रेस पार्टी का अध्यक्ष पद संभाल चुके हैं. राहुल, गांधी परिवार की पांचवीं पीढ़ी के पाचवें ऐसे शख्स हैं जो जिन्होंने यह पद संभाला है. राहुल से पहले उनके जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी ने करीब पांच-पांच साल और सोनिया गांधी ने १९ साल तक कांग्रेस का अध्यक्ष पद संभाला है.

कांग्रेस के कुछ रोचक तथ्य : महात्मा गांधी, मोतीलाल नेहरू, मदन मोहन मालवीय, सुभाष चंद्र बोस जैसे महान क्रांतिकारियों से लेकर अब ५९ लोग पार्टी के अध्यक्ष पद की कमान संभाल चुके हैं. राहुल गांधी पार्टी के ६०वें अध्यक्ष हैं और आजादी के बाद पार्टी के १९वें अध्यक्ष हैं. आजादी के बाद पार्टी के १८ अन्य अध्यक्षों में से १४ गांधी या नेहरू परिवार से नहीं थे. १९३९ में सुभाष चंद्र बोस ने कांग्रेस अध्यक्ष पद को लेकर पनपे पहले विवाद के बाद इस्तीफा दे दिया था. आजादी के बाद सोनिया गांधी पार्टी अध्यक्ष पद पर सबसे लंबे समय तक १९ वर्ष रही हैं. उनकी सास इंदिरा गांधी अलग-अलग कार्यकाल में सात वर्ष तक पार्टी अध्यक्ष रही हैं. लाल बहादुर शास्त्री और मनमोहन सिंह कांग्रेस के दो ऐसे नेता रहे हैं, जो प्रधानमंत्री तो बने लेकिन पार्टी अध्यक्ष नहीं रहे हैं.

बीजेपी को लग सकता है तगड़ा झटका

इस बड़े नेता ने दिए साथ छोड़ने के संकेत

जाफर शेख

मुंबई: २०१९ में होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर राज्यसभा सांसद नारायण राणे यह भांप गए है कि महाराष्ट्र में शिवसेना- बीजेपी का गठबंधन हो सकता है. ऐसे में उन्होंने इन दोनों पार्टियों के आहट को देखते हुए उन्होंने रविवार को अपने गृह नगर कोकण के कणकवली में ऐलान किया कि उनकी पार्टी 'महाराष्ट्र स्वाभिमान पार्टी' खुद के बैनर तले लोकसभा चुनाव लड़ेगी. राणे के इस ऐलान के बाद यह बात साफ हो जाता है कि वे भले ही भारतीय जनता पार्टी के कोटे से राज्यसभा सांसद बने है लेकिन वे बीजेपी के साथ नहीं रहेंगे.राणे ने यह जरूर ऐलान किया कि उनकी पार्टी आगामी लोकसभा चुनाव खुद के बैनर तले लड़ेगी. लेकिन उन्होंने इस बात को साफ नहीं किया कि उनकी पार्टी कितने सीटों पर महाराष्ट्र में चुनाव लड़ने वाली है. वहीं इस दौरान राणे ने बीजेपी पर हमला करते कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव के दौरान आम जनता से जो वादा किया था. उन वादों को उनकी सरकार ने नहीं पूरा किया. इसलिए तीन राज्यों में बीजेपी को हार का मुंह देखना पड़ा. रबता दें कि कोंकण में शिवसेना को घेरने के लिए बीजेपी ने राणे को साथ लिया था. लेकिन देश में मौजूदा राजनीतिक समीकरण को देखते हुए बीजेपी अपनी सबसे पुरानी सहयोगी को गंवाना नहीं चाहती. इसलिए बीजेपी-शिवसेना लोकसभा चुनाव में गठबंधन करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं. इसलिए भारतीय जनता पार्टी को न चाहते हुए भी नारायण राणे को छोड़ना पड़ेगा.

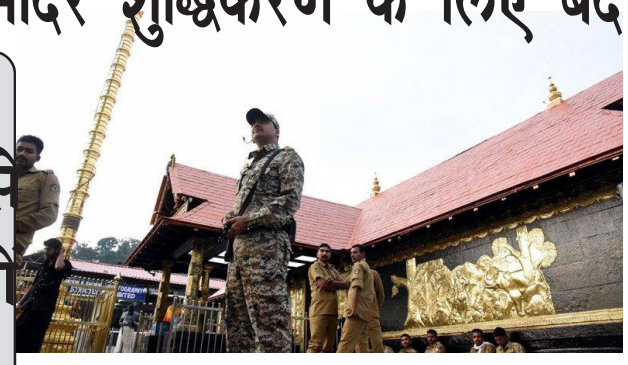

सबरीमाला मंदिर शुद्धिकरण के लिए बंद

महिलाओं के प्रवेश से टूटी सदियों पुरानी परंपरा

केरल स्थित सबरीमाला मंदिर में दो महिलाओं के प्रवेश के बाद पुजारियों ने शुद्धिकरण के लिए मंदिर को बंद कर दिया है. सबरीमाला मंदिर लोकप्रिय 'मकरविलक्कू' के लिए रविवार को खुला था. सबरीमाला मंदिर में शुद्धिकरण की प्रक्रिया करीब एक घंटे तक चल सकती है. सबरीमाला मंदिर में बुधवार सुबह करीब ४० साल उम्र की दो महिलाओं ने प्रवेश कर पूजा-अर्चना की. सबरीमाला स्थित भगवान अयप्पा के मंदिर में १० से ५० साल की महिलाओं की एंट्री पर लगे बैन को सुप्रीम कोर्ट ने खत्म कर दिया था जिसके बाद यह पहली बार है कि जब इस उम्र की दो महिलाओं ने मंदिर में एंट्री की है.

केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि हां, यह सच है, महिलाओं ने मंदिर में दर्शन किए हैं. उन्होंने कहा कि हमने मंदिर में प्रवेश करने की इच्छा रखने वाली किसी भी महिला को हर संभव सुरक्षा प्रदान करने के लिए पुलिस को स्थायी आदेश जारी किए थे. यह भी पढ़ें- योगी सरकार गौ सेवा के लिए वसूलेगी 'गौ कल्याण सेस', आवारा पशुओं के लिए बनेंगे आश्रय स्थल

रिपोर्ट के मुताबिक, बिंदु और कनकदुर्गा नाम की दो महिला श्रद्धालुओं ने बुधवार सुबह तीन बजकर पैंतालीस मिनट पर दर्शन किया. महिलाओं के साथ पुलिस वाले भी थे और वे मंदिर में अंदर गईं. बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने सितंबर २०१८ में मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर लगे बैन को हटाया था. हालांकि इसके बाद भी भारी विरोध प्रदर्शनों के चलते मंदिर में प्रवेश मुश्किल बना रहा. गौरतलब है कि भगवान अयप्पा का मंदिर २० जनवरी को सुबह सात बजे बंद हो जाएगा.

राफेल मामला फिर पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली: राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद के मामले में सरकार को क्लीन चिट दिए जाने के फैसले के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय से बुधवार को पुनर्विचार की मांग करते हुए याचिका दायर की गई. शीर्ष न्यायालय ने १४ दिसम्बर को दिए फैसले में सरकार को क्लीन चिट दे दी थी, जिस पर पुनर्विचार करने के लिए पूर्व मंत्री यशवंत सिन्हा, पत्रकार से नेता बने अरुण शौरी और वकील प्रशांत भूषण ने समीक्षा याचिका दाखिल की है.इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने ३६ राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद को लेकर फ्रांस के साथ हुए सौदे की जांच अदालत की निगरानी में कराने की मांग वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया था. कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा था कि प्रक्रिया में विशेष कमी नहीं रही है और केंद्र के ३६ विमान खरीदने के फैसले पर सवाल उठाना सही नहीं है.

आओ मिलकर मदद करे

३१-१२-२०१८ सोमवार के दिन एक शख्स जिस का नाम हाजी हाशम हाजी रेहमतुल्लाह देवलीवाला उम्र ७५ साल है. ये ३१.१२.२०१८.की रात को घर से बहार नमाज़ पढ़ने उतरे थे नमाज़ के बाद हाजी हाशम हाजी रेहमतुल्लाह देवलीवाला को मस्जिद के बाहेर भेठा देखा गया था परंतू वो रात वापस घर नहीं आए..

हाजी हाशम हाजी रेहमतुल्लाह देवलीवाला का दिमाग कभी कभी काम नहीं करता है वो सब भूल जाते है यहाँ तक के वो अपना घर का पता भी ठीक से नहीं बता पाते.. ज़ुल्म के खिलाफ आवाज़ राष्ट्रीय हिंदी समाचार अपने पाठको से अनुरोध करता है की अगर आप को यह बुजरुग वियक्ति कही भी दिखाई दे या आप के पास इस वियक्ति की कोई जानकारी हो तो कृपया तुरंत निचे दिए गए नंबर पे संपर्क करे या नज़दीकी पुलिस स्टेशन तक पोहचा दे और इन्हे अपने परिवार जनो से मिलाने में मदद करे !

पता : वंजारा बिल्डिंग ५ वा माला मेमनवाड़ा रोड,मुंबई

संपर्क करे -

इरफ़ान हाजी हाशम देवलीवाला ९३२४१११९५०

मुस्तफा हाजी अब्दुल सत्तर देवलीवाला : ९८३३४५६९१६

ज़ाहिद शेख़ : ९३२३४३८५१३

मॉडल, कलाकार, हेल्पर की जरूरत है

CINE, T. V. ARTISTS AND WORKERS ASSOCIA-TION (REGD.)

अच्छे मियाँ

कार्ड भी बनाकर दिया जाएगा... कार्ड की कीमत २५००/-

(Regd. No. A.L.C. -17-10174 Under Trade Union Act, 1926 With Government of Maharashtra)
Heena Arcade,Shop No16, S. V. Road, Jogeshwari (W), Mumbai-102
Tel. : 022-66989738 - 9220541108/ 08433238738

New Huma Caterers ®

Jogeshwari

★ We Have No Branch ★

Mohd. Salim

9820710325 / 9967865102
9867868339 / 26790046

: Address :

Shop No. 1, Old Ghaswala Stable, Next to Syndicate Bank, S.V. Road, Jogeshwari (W), Mumbai - 400 102.

Web.: www.newhumacaterers.com
E-mail : newhumacaterers@gmail.com

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक - असगर अमीन शाह द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 3-4 अमीन इंड. इस्टेट, सोनावाला क्रॉस रोड नं.2, जवाहर नगर फाटक ब्रिज के पास, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063 से मुद्रित कर रुम नं. जी-16, अमीन पारसी चाल, एस. वी. रोड, जोगेश्वरी (पश्चिम), मुंबई-400102 से प्रकाशित संपादक-असगर अमीन शाह